

## चलो रे खाटू की नगरी

चलो रे खाटू की नगरी ,जहां पे रहता बाबा श्याम है-2

हारे का सहारा है वो ,हारे का सहारा है वो,  
जग में उसका नाम है,  
चलो रे खाटू की नगरी ,  
जहां पे रहता बाबा श्याम है.....

सुंदर मुखड़ा श्यामा का, बड़ा ही प्यारा लगता है,  
सारी दुनिया फीकी लागे, जब मेरा बाबा सजता है,  
दिल से पुकारे श्याम को जो-2,बनाता उसके काम है।  
चलो रे खाटू की.....

सेठों का सेठ है ये , लखदातार कहलाता है,  
शीश का दानी बाबा मेरा , बिगड़ी बात बनाता है ,  
अंदाज है बाबा का निराला ,इसकी क्या ही बात है,  
चलो रे खाटू की.....

कृष्णा खन्ना ने गुण गाके , बाबा को रिझाया है  
है लाडला खाटू वाले का , भजन रजत से लिखवाया है  
जिसे हारे का सहारा कहते ,वो मेरा बाबा श्याम है,  
चलो रे खाटू की.....

चलो रे खाटू की नगरी ,  
जहां पे रहता बाबा श्याम है  
हारे का सहारा है वो-2  
जग में उसका नाम है  
चलो रे खाटू की नगरी ,  
जहां पे रहता बाबा श्याम है.....।

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33103/title/Chalo-Re-Khatu-Ki-Nagri>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |